

मानवकल्याण-विषयक वैदिक आदर्श

एवं

अंग्रेज़ी गीतों में उनका निदर्शन

डॉ. वन्दना सूरज भान

एसोसिएट प्रोफेसर

लेडी श्रीराम महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

ई-मेल -vandanabhan@lrsrdu.ac.in

वेदोऽखिलो धर्ममूलम् -मनुस्मृति के इस वाक्य से स्पष्ट हो जाता है कि मानवजीवन का कोई भी पक्ष अथवा विषय वैदिक ऋषियों एवं विचारकों की दृष्टि से परे नहीं है। हमारे पूर्वज मनीषियों द्वारा अनुभूत एवं साक्षात्कृत जीवन-दर्शन, विविध तथ्यों तथा उपदेशों के रूप में वेदसदृश अमूल्य निधि में निहित है। वेदों के परिशीलन से ज्ञात होता है कि उनमें प्रतिपादित विविध विषयों में एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण विषय है - समस्त मानवजाति के कल्याण की कामना। वैदिक ऋषियों के अमूल्य वचनों के माध्यम से भारतीय वैचारिक परम्परा की परिपक्वता तथा उदार-हृदयता का परिचय मिलता है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे उच्च आदर्श यही सिद्ध करते हैं कि भारतीय समाज में सदा से ही सर्वजनहिताय, सर्वजनसुखाय की भावना सर्वोपरि रही है। किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं अपितु सम्पूर्ण समाज तथा विश्व के लिए मंगलकामना एवं विश्व-बन्धुत्व जैसे उच्च विचारों से ओत-प्रोत मन्त्ररूपी रत्न वेदों में सर्वत्र प्रकाशित हो रहे हैं। प्राकृतिक संसाधन हों अथवा अन्य भौतिक सुविधाएँ - इनसे कोई व्यक्ति विशेष लाभान्वित न हो, अपितु सम्पूर्ण लोक को उनका लाभ पहुँचे, सम्पूर्ण विश्व में शान्ति एवं प्रेम व्याप्त हो तथा कोई भी व्यक्ति दुःख एवं कष्ट का भागी न बने - ऐसी विश्वकल्याणमयी भावना भारतीय समाज में सर्वदा प्रबल रही है।

इस प्रसंग में सर्वप्रथम अथर्ववेद के १२वें काण्ड का भूमि सूक्त विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इस सूक्त के ६३ मन्त्रों में मानवजीवन के लिए पृथ्वी की आवश्यकता तथा महत्त्व का विशद वर्णन किया गया है। वस्तुतः पृथ्वी ही मानव की आश्रयदात्री, जीवनदायिनी, पोषणकर्त्री एवं संरक्षिका है। पृथ्वी एवं उसके उपहारों के बिना मानवजीवन का अस्तित्व नितान्त असंभव तथा अकल्पनीय है। सभी प्राणी पृथ्वी माता की सन्तान हैं - 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' तथा यह एक माता की तरह ही सबका पालन-पोषण करती है। भूमि सूक्त में भूमि की विशेषताओं के साथ, उसके प्रति मनुष्य के कर्तव्यों का बोध भी करवाया गया है तथा मातृभूमि के प्रति कर्तव्यपालकों के लिए आवश्यक गुणों, प्रवृत्तियों तथा मर्यादाओं का भी निर्देश है। पृथ्वी पर ही मानवजीवन के लिए आवश्यक जल स्रोत, अन्न, फल, शाक आदि उत्पन्न होते हैं। इसी कारण यहाँ सभी

लोग सुखी तथा संगठित होकर बसते हैं। पृथ्वी हमें पूर्वपेय प्रदान करने वाली हो - ऐसी शुभेच्छा निम्न मंत्र में की गई है -

यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टयः संबभूवुः।

यस्यामिदं जिन्वति प्राणदजत् सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु।^२

मनुष्यों के साथ-साथ, पृथ्वी को विभिन्न प्रकार के प्राणधारियों तथा वृक्ष वनस्पतियों का पालन-पोषण तथा संरक्षण करने वाली भी कहा गया है। पृथ्वी में गाय, घोड़े तथा पशुपक्षी निश्चिंततापूर्वक आश्रय ग्रहण करते हैं। यह पृथ्वी विश्व के सभी जीवों का पोषण करने वाली, सम्पदाओं की खान, जगत् का निवेश करने वाली तथा प्राणाग्नि का भरण-पोषण करने वाली भी है -

विश्वंभरा वसुधानी प्रतिष्ठा हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।

वैश्वानरं बिभ्रती भूमिरग्निमिन्द्रऋषभा द्रविणे नो दधातु।^३

जल को जीवन कहा जाता है। भूमि सूक्त में मानवजीवन के लिए जल के महत्त्व तथा आवश्यकता का वर्णन करते हुए कहा गया है कि पृथ्वी हमारी शुद्धता के लिए हमें स्वच्छ जल प्रदान करे -

शुद्धा न आपस्तन्वे क्षरन्तु यो नः सेदुरप्रिये

तं नि दध्मः। पवित्रेण पृथिवि मोत् पुनामि।^४

एक मन्त्र में कामना की गई है कि भूमि को खोदने पर वह सभी वस्तुएँ शीघ्र उगे तथा बढ़े तथा हम भूमि के मर्म स्थलों को हानि न पहुँचाएँ -

यत् ते भूमे विखनामि क्षिप्र, तदपि रोहतु।

मा ते मर्म विमृग्वरि मा ते हृदयमर्पिपम्।^५

एतद्विध कल्याणकारी, सुख-साधनदात्री पृथ्वी माता के सर्वदा विस्तृत एवं स्थिर होने की कामना की गई है। ऋषि का आग्रह है कि हम सर्वदा भूमि की सेवा करें -

विश्वस्वं मातरमोषधीनां ध्रुवां भूमिं पृथिवीं धर्मणा धृताम्।

शिवां स्योनामनु चरेम विश्वहा।^६

^२ अथर्ववेद - १२/१/३

^३ अथर्ववेद - १२/१/६

^४ अथर्ववेद - १२/१/३०

^५ अथर्ववेद - १२/१/३५

^६ अथर्ववेद - १२/१/१६

सूक्त के अनेक मन्त्रों में यह भी कामना की गई है कि सभी मनुष्य परस्पर मैत्रीभाव से रहें तथा हममें कोई भी परस्पर द्वेष न करे -**मा नो द्विक्षत कश्चन।**

इसी प्रकार अथर्ववेद के सामनस्य सूक्त में परिवार तथा समाज में सौहार्द एवं प्रेम का वातावरण बने रहने की कामना की गई है -

संगच्छध्वं संवदध्वं सं वोमनांसि जानताम्।

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सहचित्तमेषाम्।^१

वस्तुतः किसी भी समाज की मूल ईकाई परिवार है। परिवार में पारस्परिक सामंजस्य, सौहार्द, प्रेम एवं एकता के द्वारा ही एक शान्तिपूर्ण समाज एवं अन्ततोगत्वा एक कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस प्रकार अथर्ववेद के सामनस्य सूक्त का उद्देश्य परिवार के सब लोगों में परस्पर समभाव एवं स्नेह उत्पन्न करना है -

अनुव्रतः पितुः पुत्रो माता भवतु संमनाः।

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन्मा स्वसारमुत स्वसा।

वैदिक ऋषियों के विचार सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए थे। यजुर्वेद में मांगलिक शब्द और दृश्य देखने-सुनने की कामना के साथ-साथ यह करते हुए सौ वर्ष जीने की भी कामना की गई है -

भद्र कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।

स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवांसस्तनूभिर्व्यशेमहि देवहितं यदायुः॥^२

ऋग्वेद में स्वस्तिवाचन और शान्तिप्रकरण भी अन्तराष्ट्रीय मंगलकामना से युक्त संदेशों का ही सम्प्रेषण करता है। यजुर्वेद में सभी को मैत्रीभाव से व्यवहार करने का निर्देश दिया गया है। हम सभी को तथा सब हमें मित्र की दृष्टि से देखें इस प्रकार विश्व के सभी मानवों को मित्र-दृष्टि से देखें -

दृते दृंह मा मित्रस्य मा चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीपक्षन्ताम्।

मित्रस्यां चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे॥^३

पुनः, वैदिक ऋषियों द्वारा संभवतः स्पष्ट देख लिया गया था कि सभी समस्याओं का मूल है - मनुष्य का स्वार्थपरक होना। स्वार्थ तथा लोभ के वशीभूत होकर ही मनुष्य मनुष्य का शत्रु बन जाता है। अपने लाभ

^१ ऋग्वेद - १०/१९१/२-४

^२ अथर्ववेद - ३/३०/२-३

^३ यजुर्वेद - २५/२१

^४ यजुर्वेद - ३६/१८

को पूरा करने के लिए दूसरों को होने वाली हानि की ओर ध्यान नहीं देता। अतएव वेदों में मनुष्यों को सर्वथा लोभरहित होकर निःस्वार्थभाव से जीवन व्यतीत करने का मूलमन्त्र प्रदान किया गया है -

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।

तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।^{११}

अथर्ववेद में व्यक्ति को उदार हृदय होने की प्रेरणा देता अत्यन्त सुन्दर मन्त्र मिलता है, जिसके माध्यम से इस संसार में उपलब्ध धन अथवा संसाधनों पर सभी व्यक्तियों का समान रूप से अधिकार हो ऐसी शुभेच्छा की गई है -

शतहस्त समाहर, सहस्रहस्त संकिर।^{१२}

इसी प्रकार उचित साधनों द्वारा अर्जित धन को ही भोगने तथा अनुचित धन का त्याग करने की प्रेरणा दी गई है -

रमन्तां पुण्या लक्ष्मीः याः पापीस्ता अनीनशम्।^{१३}

वेदों में निषेधात्मक विधि से भी व्यक्ति को सन्मार्ग पर चलने का निर्देश दिया गया है। अग्नि को सम्बोधित एक मन्त्र में सात मर्यादाओं का उल्लेख है -

सप्तमर्यादाः कवयस्ततक्षुः।^{१४}

उपर्युक्त विवरण द्वारा हमारे दूरदर्शी मन्त्रद्रष्टा ऋषियों की सकारात्मक सोच तथा मानसिकता का परिचय मिलता है। उन्होंने मानवजाति एवं अन्य सभी प्राणियों के लिए जिस आदर्श विश्व की कामना की थी, वास्तविकता में क्या आज हम वैसी स्थिति देख रहे हैं। संभवतः नहीं। मनुष्य ने जैसे-जैसे प्रगति तथा उन्नति के पथ पर आगे कदम बढ़ाए हैं, उसके साथ-साथ अनेक समस्याओं तथा हानियों से भी दो चार होना पड़ा है। वह चाहे विज्ञान का क्षेत्र हो अथवा तकनीकी, औद्योगिक हो अथवा इलेक्ट्रॉनिक - उसके साथ कोई न कोई अनाहूत दुष्प्रभाव अवश्यमेव संलग्न होता है। इस तथ्य से हम सभी सुपरिचित हैं।

वैदिक वाङ्मय में व्याप्त सर्वकल्याणकारी भावना को यदि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो जानकर अत्यंत आश्चर्य की अनुभूति होती है कि पश्चिम के अनगिनत अंग्रेजी पॉप गीत ऐसे हैं जिनमें उपर्युक्त वैदिक आदर्श किसी न किसी रूप में परिलक्षित होते हैं। पॉप गीतों का नाम लेते ही मस्तिष्क में तीव्र संगीत मनोरंजन, प्रेम, रोमांस आदि से भरे गीतों की छवि उभरती है। यह सत्य भी है। किन्तु गीत-रचना तथा गायन

^{११} यजुर्वेद - ४०/१

^{१२} अथर्ववेद - ३/२४/५

^{१३} अथर्ववेद - ७/११५/४

^{१४} ऋग्वेद - १०/५/६

भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होने के साथ-साथ समसामयिक सामाजिक परिस्थितियों का दर्पण भी होते हैं। पचास के दशक के मध्यकाल में अमेरिका तथा ब्रिटेन में प्रादुर्भूत पॉप संगीत को सामान्यतः सतही स्तर का माना जाता है तथा इसे क्लब आदि में नाचने-गाने से संयुक्त किया जाता है। समय के साथ-साथ जैसे-जैसे समाज की परिस्थितियाँ तथा समस्याएँ परिवर्तित होती हैं वैसे-वैसे तत्कालीन साहित्य, संगीत तथा कला की अन्य विधाओं पर भी प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि कालान्तर में अनेक ऐसे पॉप कलाकार हुए जिन्होंने अपने संगीत के माध्यम से कोई न कोई संदेश लोगों तक पहुँचाने का प्रयत्न किया। अनेक प्रसिद्ध पॉप गीतों के माध्यम से सामाजिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक समस्याओं को लेकर इन कलाकारों ने संवेदना तथा गम्भीर चिन्ता व्यक्त की है। इन गीतों को यदि ध्यानपूर्वक व्यापक स्तर पर सुना जाए तो ये विविध सामाजिक मुद्दों के विषय में जागरूकता लाने के साथ-साथ समाज में चेतना तथा परिवर्तन लाने का कारण भी बन सकते हैं। सम्पूर्ण विश्व एवं मानवमात्र के प्रति संवेदना, सहानुभूति तथा चिन्ता की भावनाओं को व्यक्त करते ऐसे ही कुछ पॉप गीतों का परिचय प्रस्तुत है -

● **Earth Song** –King of Popके नाम से प्रसिद्ध अमरीकी गायकमाइकल जैक्सन ने सामाजिक चेतना विषयक अनेक गीतों की रचना की जैसे –We are the World, Man in the Mirror, Heal the World आदि, किन्तु 1995 में रिलीज़ किया गया Earth Song उनका पहला गाना था जिसमें खुलकर पर्यावरण, पृथ्वी तथा जानवरों के हित की बात की गई। अपने स्वार्थ के कारण मनुष्य द्वारा धरती, जंगलों, वन्य-प्राणियों तथा समुद्री जोंकों को पहुँचाए जाने वाले नुकसान का अत्यन्त मार्मिक चित्रण इस गीत में किया गया है। गाने को देखकर अनायास ही भूमि सूक्त में प्रतिपादित भावनाओं का स्मरण हो आता है। विडियो के अन्त में आशाजनक सन्देश दिया गया है कि अपने प्रयत्नों द्वारा मनुष्य ही इस क्षति की पूर्ति कर सकता है। गाने के कुछ बोल इस प्रकार हैं -

What about sunrise, What about rain, What about killing fields, What about all the things, That you said were yours and mine

Did you ever stop to notice, All the blood we've shed before, Did you ever stop to notice, This crying Earth, these weeping shores

What have we done to the world, Look what we've done, What about all the peace, That you pledge your only son

What about flowering fields, Is there a time, What about all the dreams, That you said was yours and mine

Did you ever, stop to notice, All the children dead from war

Hey, what about yesterday, What about seas, The heavens are falling down, I cant even breathe, What about bleeding earth, Can we feel its wounds, What about Nature's worth, It's our planet's womb, What about animals, We have turned kingdom to dust, What about the elephants, Have we lost their trust, What about crying whales, We are ravaging the seas, What about forest trails, Burnt despite our pleas. Where did we go wrong, Someone tell me why, What about babies, What about the death again, Do we give a damn

• **Dreamer** – The Prince of Darkness के नाम से विख्यात ब्रिटिश गायक, गीत लेखक, अभिनेता एवं टीवी रिएलिटी शो स्टार ऑज़ी ऑस्बोर्न (Ozzy Osbourne) के द्वारा 2001 में रिलीज़ किए गए गीत Dreamer के माध्यम से उनके मन में छुपी पीड़ा तथा चिन्ता की झलक मिलती है। उन्होंने इस गाने में मनुष्य की संवेदनशून्यता तथा स्वार्थ के कारण धरती को होने वाली क्षति का अत्यन्त हृदयावर्जक चित्रण किया है। इस गाने में भूमि को माता (Mother Earth) तक कहा गया है। सम्पूर्ण गीत में वर्तमान स्थिति में सुधार आने की उम्मीद की गई है कि एक दिन संभवतः मनुष्य धरती से दुर्व्यवहार करना बन्द कर देगा, यह विश्व क्रोध, घृणा तथा कट्टरता जैसी दुर्भावनाओं से मुक्त होगा तथा सम्पूर्ण मानवजाति एक परिवार के समान शान्तिपूर्वक रह पाएंगे। गाने के कुछ बोल इस प्रकार हैं –

Gazing through the window at the world outside, Wondering will Mother Earth survive, Hoping that mankind will stop abusing her, sometime.

After all there's only just the two of us, And here we are still fighting for our lives, Watching all of history repeat itself, time after time.

I watch the sun go down like everyone of us, I'm hoping that the dawn will bring a sign, A better place for those who will come after us, this time

Your higher power maybe God or Jesus Christ, It doesn't really matter much to me, Without each others help there ain't no hope for us, I'm living in a dream of fantasy.

If only we could all just find serenity, It would be nice if we could live as one, When will all this anger, hate and bigotry be gone?

I'm just a dreamer, I dream my life away, I'm just a dreamer, who dreams of better days (okay)

• **Save the World** – अमेरिकी गायक जॉर्ज हैरिसन के द्वारा 1981 में अपनी एलबम Somewhere in England के लिए गाया गया पॉप गीत 'Save the World' एक पर्यावरण विषयक विराध गीत था। संभवतः यह उनकी प्रख्यात रचना थी जिसमें प्रत्यक्ष रूप से विश्व को क्षति पहुँचाए जाने वाले सामयिक मुद्दों को सम्बोधित किया गया है। परमाणु शस्त्रों की दौड़, वर्षावन, वन्यजीवन की तबाही तथा कॉर्पोरेट जगत् के पर्यावरण के प्रति गैर-जिम्मेदाराना आचरण ऐसे ही कुछ बिन्दु हैं, जिनके प्रति हैरिसन ने चिन्ता व्यक्त की है। गीत के बोल किसी भी सहृदय को प्रभावित करने में सक्षम हैं –

We've got to save the world, Someone else many want to use it

So far we've see, This planet's rape, how we've abused it

The Russians have the biggest share, With their long fingers everywhere

And now they've bombs in outer space, With laser beams and atomic waste.

Rain forest chopped for paper towels, One acre gone in every hour.

Our birds and wildlife all destroyed, To keep some millionaires employed

We've got to save the whale, Greenpeace they've tried to diffuse it.

But dog food salesmen, Persist on kindly to harpoon it.

We're at the mercy of so few, With evil hearts determined to

Reduce this plane into hell, Then find a buyer and make quick sale

To end upon a happy note, Like trying to make concrete float

Is very simple knowing that, God in your heart lives.

The nuclear power that costs you more, Than anything you've known before

The half-wit's answer to a need, For cancer, death, destruction, greed

We've got to save the world

● **Mother Nature's Son** –विश्व-प्रसिद्ध पॉप बैंड The Beatles के द्वारा 1968 में रिलीज़ किया गया गया यह गीत पृथ्वी तथा मानव के बीच माता तथा पुत्र के मधुर सम्बन्ध को दर्शाता है। इस गाने में धरती के सान्द्र्याधायक तत्वों – पर्वत, झरने, घास के मैदान तथा डेज़ी के फूल आदि के सान्निध्य से मिलने वाली आनन्दानुभूति की अभिव्यक्ति की गई है। गुप के सदस्य पॉल मैक्कार्टनी ने इस गीत की रचना, गुप की भारत यात्रा के दौरान, महर्षि महेश योगी के प्रकृति के विषय में दिए गए एक व्याख्यान से प्रेरित होकर की। इसी व्याख्यान से प्रेरणा पाकर जॉन लैनन ने बाद में Child of Nature अन्य गीत लिखा। गीत के बोल इस प्रकार हैं –

Born a poor young country boy, Mother Nature's son, All day long I'm sitting singing songs for everyone

Sit beside a mountain stream, See her waters rise, Listen to pretty sound of music as she flies.

Find me in my field of grass, Swaying daises sing a lazy song beneath the sun.

पृथ्वी तथा पर्यावरण की समस्याओं को चित्रित करते उपर्युक्त पॉप गीतों के अतिरिक्त अनेक गीत ऐसे हैं जिनमें विश्व-शान्ति, विश्व-मैत्री तथा विश्वबन्धुत्व के सन्देश निहित हैं। सम्पूर्ण विश्व को एक ऐसा आदर्श स्थान बनाने की कल्पना की गई है, जहाँ हम सब एक परिवार के समान, प्रेम तथा सौहार्द के आश्रय में निवास करें। समाज में व्याप्त विविध बुराइयों तथा समस्याओं का भी वर्णन अनेक गानों में किया गया है। ऐसे कुछ गीत इस प्रकार हैं –

● **Another Day in Paradise** – ब्रिटिश गायक, गीत लेखक तथा ड्रमर फ़िल कॉलिंस के द्वारा रचित तथा गाए गए इस गीत में बेघर लोगों की समस्या के प्रति संवेदना व्यक्त की गई है। फ़िल ने एक बेघर आश्रयहीन स्त्री की अवहेलना करके, सड़क पार करते एक व्यक्ति के माध्यम से यह सन्देश देने का प्रयत्न किया है कि किसी व्यक्ति का ऐसा व्यवहार सर्वथा उचित नहीं है। साथ ही यह भी बताने का प्रयास किया है कि एक दिन अमीर तथा गरीब दोनों को परलोक जाना है। यहाँ भारतीय मनीषियों द्वारा प्रदत्त लोक-परलोक का सिद्धान्त सर्वथा सार्थक प्रतीत होता है। देखिए –

She calls out to the man on the street, 'Sir, Can you help me?

It's cold and I've nowhere to sleep, Is there somewhere you can tell me?'

He walks on, doesn't look back, He pretends he can't hear her

Starts to whistle as he crosses the street, seems embarrassed to be there

She calls out to the man on the street, He can see she's been crying

She's got blisters on the soles of her feet, She can't walk but she's trying

Oh think twice, 'cause it's another day for you and me in paradise

think about it

Oh Lord, is there nothing more anybody can do

Oh Lord, there must be something you can say

You can tell from the lines on her face, You can see that she's been there

Probably been moved on from every place, Cause she didn't fit in there

Oh think twice, 'cause another day for you and me in paradise

● **Where is the love** – इसी प्रकार एक अन्य अमरीकी बैंड The Black Eyed Peas के द्वारा 2003 में रिलीज़ किए गीत Where is the Love में अनेक ज्वलन्त सामाजिक मुद्दों को सफलतापूर्वक अत्यन्त भावोद्देलक ढंग से वर्णित किया गया है जैसे – आतंकवाद, बमबारी, भेदभाव, लालच, नस्लवाद, दंगेबाजी आदि। इनके दुष्प्रभाव से ग्रस्त विश्व में किस प्रकार निरन्तर पारस्परिक शत्रुता, द्वेष तथा वैमनस्य की भावना व्याप्त है – इसके प्रति गहरी चिन्ता व्यक्त की गई है। इस गाने में वर्तमान दुर्व्यवस्था का प्रमुख कारण स्वार्थ तथा धन लोलुपता को बताया गया है। ग्रुप के द्वारा प्रकृष्ट रूप से इच्छा व्यक्त की गई है कि हम सब पुनः मानवता, समानता तथा निष्पक्षता से युक्त संसार में लौटें। वस्तुतः इस गाने में प्रमुख रूप से यह दर्शाया गया है कि सबको प्रसन्नता तथा आनन्द प्रदान करने वाला प्यार आज कहाँ है –

People killin' people dyin', Children hurtin', I hear them cryin' Mama, Mama, Mama, tell us what the hell is goin' on

Can't we all just get along?, Father, father, father help us, Send some guidance from above, 'Cause people got me, got me Questioning

Over here on the streets the police shoot, The people put the bullets in 'em

And to discriminate only generates hate, And when you hate then you're bound to get irate, Madness is what you demonstrate, And that's exactly how hate works and operates, Man, we gotta set it straight, Take control of your mind and just meditate, And let your soul just gravitate, To the love, so the whole world celebrate it. (Where's the love)

New days are strange, is the world insane?, Nation droppin' bombs killing our little ones, Ongoing suffering as the youth die young

Where's the love when a child gets murdered, Everybody hate somebody

Where's the love y'all? I don't, I don't know, Where's the truth y'all? I don't know

Love is the key, Love is the answer, Love is the solution, Love is powerful

What happened to the love and the values of humanity? What happened to the love and the fairness and equality? Instead of spreading love we're spreading animosity, Lack of understanding leading us away from unity.

- **Imagine** – The Beatles ग्रुप के सदस्य John Lennon ने 1971 में इस गाने की रचना की। इसमें उन्होंने श्रोताओं को एक ऐसे संसार की कल्पना करने की प्रेरणा दी है जहाँ केवल शान्ति का साम्राज्य हो, जहाँ धर्म तथा राष्ट्रीयता के आधार पर कोई सीमा अथवा विभाजन न पाया जाए। साथ ही ऐसी स्थिति की संभावना की गई है जब सम्पूर्ण मानवता भौतिक आकर्षणों से मुक्त होकर पारस्परिक बन्धुत्व की भावना से युक्त होकर रहे। संसार में लालच तथा भूख का नाम भी न हो, सभी लोग एक संसार के निवासी हों। गाने की शब्दावली अत्यन्त प्रेरणादायक है –

Imagine there's no countries, It isn't hard to do

Nothing to kill or die for, And no religion, too

Imagine all the people, Living life in peace

You, you may say I'm a dreamer, But I'm not the only one

I hope someday you will join us, And the world will be as one

Imagine no possessions, I wonder if you can

No need for greed or hunger, A brotherhood of man

- **Heal the World** –मार्कल जैक्सन के द्वारा 1991 में रिलीज़किए गए इस गाने में अपील की गई है कि दुःखों तथा अभाव से पीड़ित लोगों की सहायता करके उन्हें एक गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करने का प्रयत्न किया जाए। जैक्सन ने युद्ध के परिणामस्वरूप होने वाले विनाश तथा भावी पीढ़ी को होने वाले खतरों से चिंतित होकर अपने भाव प्रकट किए हैं। उनकी दृष्टि में संसार मानो अनेक प्रकार से घायल तथा पीड़ित है तथा इसे हमारे प्रेम तथा परिचर्या की आवश्यकता है। वर्तमान संसार में फैली दुर्व्यवस्था में सुधार करके इसे सम्पूर्ण मानवजाति के लिए निवास योग्य बेहतर स्थान बनाया जाए। मनुष्य को भावविह्वल करने में समर्थ इस गीत के बोल इस प्रकार हैं –

There's a place in your heart, And I know that is love, And this place could be much, Brighter than tomorrow

And if you really try, You'll find there's no need to cry, In this place you'll feel, There's no hurt or sorrow

Heal the world, Make it a better place, For you and for me, And the entire human race, There are people dying, If you care enough for the living, Make it a better place, For you and for me.

If you want to know why, There's love that cannot lie, Love is strong, It only cares of joyful giving, If we try we shall see, In this bliss we cannot feel, Fear of dread, We stop existing and start living.

And the world we once believed in, Will shine again in grace, Then why do we keep strangling life,
Wound this earth, crucify its soul, Though it's plain to see, This world is heavenly, Be god's glow

We could fly so high, Let our spirits never die, In my heart I feel you are all my brothers, Create a
world with no fear, Together we cry happy tears, See the nations turn their swords into plowshares.

We could really get there If you cared enough for the living

• **You are the Voice** – Andy Qunta, Keith Reid, Maggie Ryder तथा Chris Thompson के द्वारा लिखा गया तथा ऑस्ट्रेलियन गायक जॉन फार्नहैम के द्वारा गाया गया यह गाना 1981 में रिलीज किया गया। यह एक प्रतिरोध गीत था जो लोगों को सशक्त बनाने का एक अद्भुत सन्देश धारण किए हुए था। सर्वत्र लोगों को समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में बुलन्द आवाज उठाने के लिए उत्साहित करते इस गीत को Reid ने युद्ध विरोधी गीत भी कहा है, क्योंकि वह अस्सी के दशक के मध्य शत युद्ध के दौरान लिखा गया –

We have the chance, to turn the pages over

We can write what we want to write

We gotta make ends meet, before we get much older

We're all someone's daughter

We're all someone's son

How long can we look at each other

Down the barrel of a gun?

You're the voice, try and understand it

Make a noise and make it clear

We're not gonna sit in silence

We are not gonna live with fear

This time, we know we all can stand together

With the power of to be powerful

Believing we can make it better.

उपर्युक्त गानों के अतिरिक्त विविध सामाजिक समस्याओं को उजागर करते अन्य कई गाने हैं, जिनका विस्तारभय से उल्लेख मात्र किया जा रहा है –

- **What a Wonderful World** tells that despite of much hatred and violence in world, it is still beautiful (1967) – Louis Armstrong
- **What's Going on** about police brutality(1971) –Marvin Gaye.
- **Wind of Change** about political and cultural revolution (1990) – Scorpions.

- **Get Along** deals with religious conflicts and tragic results of intolerance(2012) –Guy Sebastian
- **Feel Like Summer** literally about climate change and global warming(2018) –Childish Gambino.

उपर्युक्त विवरण के आधार पर कहा जा सकता है कि मनुष्य की विचारशलता, कल्पनाशीलता तथा भावाभिव्यक्ति को किसी स्थान, काल तथा स्थिति की सीमाओं में बान्धना अत्यन्त कठिन है। ईश्वर ने मनुष्य को संवेदना, भावुकता, करुणा, सहानुभूति, प्रेम आदि अनेक गुणों से युक्त बनाया है। जब-जब भी मानवता तथा समाज पर कोई संकट या विपदा आई है, विश्व के सभी लोगों ने समान रूप से उसके प्रति दुःख, चिन्ता तथा व्यथा का अनुभव किया है, फिर वह विपदा प्राकृतिक हो अथवा मानवकृत, युद्ध हो अथवा कोई दुर्घटना। मानव की भावनाओं तथा स्वाभाविक प्रतिक्रिया को देश, भाषा आदि के आधार पर विभाजित करना न तो संभव है और न ही उपयुक्त। भारतीय चिन्तन परम्परा की तरंगें भौगोलिक सीमाओं को पार करके किस प्रकार सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त हुई तथा किस प्रकार उन्होंने लोगों की चिन्तन पद्धति को प्रभावित किया है, यह एक गहन विचारणीय विषय है। फिर कवि अथवा गीत लेखक की कल्पनाशक्ति तो सामान्य जन से सर्वथा विशिष्ट तथा सर्वतोमुखी होती है। जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण तथा घटनाओं को ग्रहण करने की प्रवृत्ति भी विशेष होती है। अनुभूत को अभिव्यक्त करने की कला भी एक गीतकार को विशेष बनाती है। संभवतः यही कारण है कि भारतीय दर्शन के अनेक भाव पाश्चात्य गीतों में परिलक्षित हो रहे हैं। इन गीतों में एक अन्य बात यह दिखाई दी कि तत्तत् समस्या का जब कोई समाधान दिखाई नहीं दे रहा, तब अन्ततः ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि वह मनुष्य को सद्बुद्धि प्रदान करे। ताकि विश्व में सर्वत्र प्रेम तथा शान्ति व्याप्त हो। अनेक गानों में Jesus Christ, Lord, father इत्यादि सम्बोधन प्रयुक्त किए गए हैं जिससे स्पष्ट होता है कि जहाँ व्यक्ति की सामर्थ्य तथा शक्ति निष्फल हो जाती है, वहाँ परमशक्ति ही सहायक सिद्ध होती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- ऋग्वेद संहिता, डॉ. जियालाल कम्बोज, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2013
- यजुर्वेद संहिता, श्रीराम शर्मा एवं भगवती देवी शर्मा, हरिद्वार, ब्रह्मवर्चस्, 1997
- अथर्ववेद संहिता, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट, मथुरा, 2015
- हिन्दी ऋग्वेद, आर.जी. त्रिवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1992
- संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, डॉ. (श्रीमती) पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
- www.michaeljackson.com
- https://en.m.wikipedia.org/wiki/earth_song
- <https://genius.com/OzzyOsborne-dreamer>
- www.beatlesbible.com/savetheworld
- www.songfacts.com>facts

- www.quora.com/whatisthemessageinwhereisthelove
- https://en.wikipedia.org/wiki/you_are_the_voice